मान में अमृत रस घोलेतू ही मेरी आराधना प्रेम माई है तू साधना Bhajans Bhakti Songs

मान में अमृत रस घोलेतू ही मेरी आराधना
प्रेम माई है तू साधना
तू जो घूँघट पाट खोले
मान में अमृत रस घोले
राधे राधे मान बोले
मान में अमृत रस घोलेबंसी का हर राग है तू ही
जीवन का अनुराग है तू ही
तेरे नैनो की मीना का
लेकर मेरा मोर मुकुट
ये संग पवन के डोले
मान में अमृत रस घोले
राधे राधे मान बोले
मान में अमृत रस घोले तेरी मेरी प्रीत है अनुपम
जैसे पानी और हो चंदन
तेरे रंग में मई पीताम्बर
बन जाऊं और ये जीवन संग तेरे होल
मान में अमृत रस घोले
राधे राधे मान बोले

मान में अमृत रस घोलेजीवन में फिर क्या बाधा है संग जो मेरे तू राधा है
निर्धन का तू धन है राधा प्रेम के इस अनमोल रतन को
कौन तुला में टोले, मान में अमृत रस घोले
राधे राधे मान बोले
मान में अमृत रस घोले राधे राधे मान बोले
मान में अमृत रस घोले

Source:
https://www.bharattemples.com/maan-mein-amrt-ras-ghole-too-hee-meree-aaraadhana/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw